Total No. of Printed Pages : 7] Roll No. .....

BASL-302

वेद एवं उपनिषद्

कला में स्नातक (बीए-12/16/17)

तृतीय वर्ष, सत्र 2019

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

नोटः यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (3) खण्डों क, ख, तथा ग में विभाजित है। शिक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'क' में चार (4) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) यस्य त्री पूर्णा मधुना पदा-
न्यक्षीयमाणा स्वधया मदन्ति।
य उ त्रिधातु पृथिवीमुतद्या-
मेको दाधार भुवनानि विश्वा।।

(ख) यः पृथिवी व्यथमानामदृंहद्
यः पर्वतान् प्रकुपिताँ अरम्णात्।।
यो अन्तरिक्षं विममे वरीयो
यो द्यामस्तभ्नात् स जनास इन्द्रः।।

(ग) चित्रं देवानामुदगादनीकं
चक्षुर्मित्रस्य वरुणस्याग्नेः।
आप्रा द्यावापृथिवी अन्तरिक्षं
सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च।।

(घ) प्राषेपा मा बृहतो मादयन्ति
प्रवातेजा द्वरिणे वर्वृताना:।
सोमस्येव मौजवतस्य भक्षो
विभीढको जागृविर्मह्यमच्छान्।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए।

(क) अनुपश्य यथा पूर्वे प्रतिपश्य तथा परे।

सस्यमिव मर्त्यः पच्यते सस्यमिवा जायते पुनः।।

(ख) यथा पुरस्ताद् भविता प्रतीत

औद्दालकिरारुणिर्मत्प्रसृष्टः।

सुखं रात्रीं शयिता वीतमन्यु-

स्त्वां ददृशिवान्मृत्युमुखात्प्रमुक्तम्।।

(ग) ये ये काभा दुर्लभा मर्त्यलोके

सर्वान्कामाश्छन्दतः प्रार्थयस्व।

इमा रामाः सरथा सतूर्या

न ही दृशा लभ्यनीया मनुष्यैः ।।

(घ) श्वोभाषा मर्त्यस्य यदन्तकैतत्

सर्वेन्द्रियाणां जरयन्ति तेजः।

अपि सर्वं जीवितमल्पमेष

तवैव वाहास्तव नृत्यगीते।।

3. पठित सूक्त के आधार पर इन्द्र देवता के वीर कर्मों का वर्णन कीजिए।

4. नचिकेता के चरित्र की विशेषताएँ बताइये।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में आठ (8) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वेद शब्द की व्युत्पत्ति बताते हुए, उसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

2. ब्राह्मणग्रन्थ किसे कहते हैं?

3. ऋग्वेद संहिता का विभाजन कीजिए।

4. वेदाङ्ग से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

5. अथर्ववेद का परिचय दीजिए।

6. प्रस्तुत मन्त्र का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

आग्निमीळे पुरोहितम् यज्ञस्य देषमृत्विजम्।

होतारं रत्नघातमम्।।

7. कठोपनिषद् के आधार पर आत्मा का लक्षण बताइये।

8. श्रेय एवं प्रेय में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ग)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

नोटः खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (1) अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

1. मन्त्रों का साक्षात्कार करने वाले को कहते हैं।

   (अ) आचार्य (ब) ज्ञानी

   (स) मुनि (द) ऋषि

2. सबसे प्राचीन वेद हैः

   (अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद

   (स) सामवेद (द) अथर्ववेद

3. वेद के अङ्ग हैंः

   (अ) चार (ब) छह

   (स) आठ (द) दो

4. वेदान्त कहते हैं :

(अ) संहिता को (ब) ब्राह्मण को

(स) आरण्यक को (द) उपनिषद् को

5. रथरूपक का वर्णन है :

(अ) ईशावास्योपनिषद् में (ब) तैत्तिरियोपनिषद् में

(स) कठोपनिषद् में (द) केनोपनिषद् में

6. वेदों का चक्षु है :

(अ) शिक्षा (ब) व्याकरण

(स) निक्त (द) ज्योतिष

7. वेदों का पैर माना गया है :

(अ) शिक्षा को (ब) कल्प को

(स) निरूक्त को (द) ज्योतिष को

8. नचिकेता ने यमराज के द्वार पर उपवास किया :

(अ) दो दिनों तक (ब) चार दिनों तक

(स) पाँच दिनों तक (द) तीन दिनों तक

9. विष्णु सूक्त का छन्द है :

(अ) गायत्री (ब) त्रिष्टुप्

(स) वृहती (द) जगती

10. अक्षसूक्त के ऋषि है :

(अ) कवषऐलूष (ब) कुत्स

(स) दीर्घतमा (द) अथर्षा

****